RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

# विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-16 | अंक 3 | फरवरी 2020 | विक्रमी सं. 2076 | मूल्य : एक रुपया

## संस्कृति महोत्सव स्मारिका का विमोचन

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 'अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव' की स्मारिका का विमोचन दिनांक 09 फरवरी 2020 को संस्थान की महासमिति की बैठक में किया गया। बैठक का आयोजन संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह माननीय दत्तात्रेय होसबले एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. डी. रामकृष्ण राव, संस्कृति शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललितबिहारी गोस्वामी, संगठन सचिव श्री श्रीराम आरावकर, सचिव श्री अवनीश भटनागर, कोषाध्यक्ष डॉ. पंकज शर्मा एवं निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह मंचासीन रहे।

संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के देशभर में 13 हजार से अधिक विद्यालयों से विद्यालय, संकुल, जिला, विभाग, प्रांत तथा क्षेत्र स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को कुरुक्षेत्र के संस्कृति महोत्सव में आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर संस्कृति ज्ञान प्रश्न-मंच, कथा-कथन, आशु भाषण एवं पत्र-वाचन की अखिल भारतीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थानों की घोषणा की गई। संस्कृति महोत्सव की सभी गतिविधियों की स्मृतियां बनी रहे, इस के लिए 'संस्कृति महोत्सव स्मारिका' तैयार की गई है, जिसमें अतिथियों के उद्बोधन का सारांश, महोत्सव की विस्तृत जानकारियाँ, उद्घाटन से लेकर समापन तक की गतिविधियों के चित्र, राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित महोत्सव की कवरेज, सभी प्रतियोगिताओं के विस्तृत परिणाम की जानकारी आदि का संकलन किया गया है। इस स्मारिका को विद्यालय स्तर तक भेजा जाएगा जिससे कि देश भर में इस आयोजन की झलक जाए।

इस अवसर पर संस्थान के शोध निदेशक डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा, संस्कृति बोध परियोजना के राष्ट्रीय संयोजक श्री दुर्गसिंह राजपुरोहित सहित प्रांत, क्षेत्र अधिकारी भी उपस्थित रहे।

## 65 वीं नेशनल स्कूल गेम्स का हुआ विद्या भारती द्वारा आयोजन

विद्या भारती के शारदा विहार विद्यालय में 65वीं राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता एस.जी.एफ.आई. का आयोजन दिनांक 24 दिसंबर से 27 दिसंबर 2019 को हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीराम आरावकर जी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खेल विधा में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित तथा जसपाल सिंह राणा के पिता देश के ख्यातिनाम निशानेबाज श्री नारायण सिंह राणा, उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रमुख श्री जगदीश सिंह उपस्थित रहे।

इस मौके पर श्रीराम आरावकर जी ने कहा कि जीत-हार जीवन में लगी रहती है लेकिन जीत के लिए इच्छाशक्ति का होना बहुत जरूरी है। खेल विधा में ईमानदारी तथा अनुशासन का बड़ा महत्त्व है और जितने के लिए इसका पालन करना जरूरी है।

उद्घाटन के मौके पर श्री नारायण सिंह राणा ने पढ़ाई के साथ खेल के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल विधा में यदि कैरियर बनाना है तो सोशल मीडिया से दूर रहें। अपने प्रयत्नों को और बढ़ाएँ तथा अच्छे खिलाड़ियों का अनुसरण करें।

इस प्रतियोगिता में 16 राज्यों के लगभग 1100 खिलाड़ी तथा 100 कोच शामिल हुए। जीतकुनेडो तथा मिनी गोल्फ प्रतियोगिता में अंडर 14, 17 तथा अंडर 19 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में विद्या भारती को जीतकुनेडो में 23 स्वर्ण, 07 रजत एवं 08 कांस्य पदक प्राप्त हुए तथा मिनी गोल्फ में 10 स्वर्ण, 02 रजत एवं 06 कांस्य पदक प्राप्त हुए। साथ ही ओवरऑल चैम्पियनशीप भी विद्या भारती को ही प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर श्री अजीत सिंह ने कहा कि भारत सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए बहुत काम कर रही है। इसके लिए स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया आपकी हर प्रकार से मदद करने के लिए तैयार है।

# हमें अधिक से अधिक पूर्वछात्रों से सम्पर्क बनाए रखना है - अवनीश भटनागर

## प्रांतीय पूर्वछात्र परिषद् कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

विद्या भारती शिक्षा संस्थान, जोधपुर प्रान्त द्वारा एक दिवसीय (दिनांक 19 जनवरी 2020) प्रान्तीय पूर्वछात्र परिषद् कार्यकारिणी की बैठक, सरस्वती विद्या मंदिर, मण्डिया रोड़, पाली में आयोजित हुई। कार्यकारिणी में जोधपुर प्रान्त के 13 जिलों से जिला संयोजक व सह संयोजक, जिला प्रमुख ने भाग लिया। बैठक में राष्ट्रीय मंत्री अवनीश भटनागर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

जोधपुर प्रान्त के पूर्वछात्र संयोजक श्री निर्मल गहलोत ने बताया कि बैठक में परिचय के बाद दिवंगत पूर्वछात्रों व परिषद् के कार्यकर्ताओं के दिवंगत परिजनों की आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई। पूर्वछात्रों के जिला प्रमुखों द्वारा अपने-अपने जिले का कार्यवृत प्रस्तुत किया गया। जिसमें जिले में कुल पूर्वछात्र इकाईयों, कार्यकारिणी, व्हाट्सएप्प समूहों से जुड़े छात्रों की संख्या तथा पूर्वछात्रों की विद्यालय एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रियता के विभिन्न कार्यों की जानकारी दी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि व्हाट्सएप्प समूहों के माध्यम से विद्या मंदिरों की गतिविधियों की जानकारी पूर्वछात्रों को को ज्यादा से ज्यादा पहुंचाई जाएं।

विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के संयोजक शरद जोशी ने कहा कि पूर्वछात्रों के सम्मेलन होते रहने चाहिए। देश-विदेश में रह रहे पूर्वछात्रों तक अपने कार्यक्रम व गतिविधियाँ सोशल मीडिया के माध्यम से पहुँचाना भी चाहिए। अभी हाल ही में हुए तेलंगाना में परम पूजनीय सरसंघचालक जी ने अपने उद्बोधन में पूर्वछात्रों से चार अपेक्षाएँ की है-

1. पूर्वछात्र जिस क्षेत्र में कार्यरत हों, वहाँ पूर्ण निष्ठा, प्रामाणिकता व दक्षता से कार्य करें।
2. पूर्वछात्र समाज सेवा के कार्यों से जुड़ें।
3. विद्या मंदिर से प्राप्त श्रेष्ठ संस्कारों को अपनी अगली पीढ़ी तक ले जाए, समाज जीवन में प्रसारित करें।
4. विद्या भारती के पूर्वछात्र होने के नाते विद्या मंदिर के गुरुऋण को चुकाएँ, आवश्यकतानुसार भौतिक व मानवीय संसाधनों का सहयोग करें।

विद्या भारती अखिल भारतीय राष्ट्रीय मंत्री अवनीश भटनागर ने बताया कि यह कार्य पूर्व छात्रों से सम्बन्धित है। हमें अधिक से अधिक पूर्वछात्रों से सम्पर्क बनाए रखना चाहिए। हर पूर्व छात्र चाहे वह कहीं भी वह किसी भी पद पर कार्यरत को नियमित सम्पर्क में रहने चाहिए। विद्या भारती द्वारा संस्कारित छात्र सरकारी तन्त्र में होंगे तो वहाँ भी संस्कारों का प्रवाह चल पड़ेगा।

समापन सत्र में विद्या भारती जोधपुर प्रान्त निरीक्षक गंगा विष्णु बिश्नोई ने जिज्ञासा का समाधान कर बताया कि विद्यालय स्तर पर भी परिषद् कार्यकारिणी की बैठक प्रतिमाह नियमित हो, इस पर सभी से आग्रह किया।

# विद्या भारती शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की बैठक

विद्या भारती शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (वी.बी.आई.ई.आर.टी.) की केन्द्रीय टोली की बैठक 12 फरवरी 2020 को विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र में सम्पन्न हुई। दो दिनों की इस बैठक में देश भर के सभी क्षेत्रों से विद्या भारती के शिक्षाविदों ने भाग लिया। बैठक में सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता के विकास की कार्य योजना बनाने पर चर्चा हुई। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जो नियमों में परिवर्तन किए गए हैं और आने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप के सम्बन्ध में क्रियान्वयन की कार्य योजना बनाई गई।

बैठक में विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. डी. रामकृष्ण राव ने बताया कि स्वतंत्रता प्राप्ति से अभी तक अनेक शिक्षा आयोगों और समितियों ने देश की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए हैं परन्तु योजना और क्रियान्वयन के बीच अन्तर सदैव रहा है। विद्या भारती शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान अपने विद्यालयों में नवीनतम योजनाओं और तकनीकियों का उपयोग करके इसे क्रियान्वयन के स्तर पर लाना चाहती है।

विद्या भारती के उपाध्यक्ष श्री दिलीप बेतकेकर ने कहा कि देश की आवश्यकताओं के अतुरूप देश की शिक्षा होनी चाहिए परन्तु इसके लिए हमें अपने शिक्षकों की गुणवत्ता ठीक करनी पड़ेगी। हमारे विद्यार्थी 21वीं शताब्दी की नई चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए सक्षम बनें, इस प्रकार की कार्य योजना की आवश्यकता है।

संस्कृति शिक्षा संस्थान के सचिव श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि शिक्षकों के सामने तीन महत्त्वपूर्ण कार्य हैं, जिनमें प्राचीन ज्ञान का नवीन पीढ़ी को हस्तांतरण करना, शोध द्वारा नवीन ज्ञान का सृजन करना, अगली पीढ़ी को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के योग्य बनाना। इसलिए हमारे शिक्षकों को अपने समय की आवश्यकता को पहचान कर अपनी इस जिम्मेदारी को और अधिक कुशलतापूर्वक निर्वाह करना चाहिए। इस बैठक में विचार मंथन के दौरान कार्य योजना बनाई गई एवं आगामी सत्र के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

बैठक में अखिल भारतीय संयोजक अशोक पंडा, भोपाल से देवकी नंदन चौरसिया, मथुरा से डॉ. अजय शर्मा, चेन्नई से श्रीमती पद्मावती, एलेप्पी (केरल) से श्री डिंटो, झारखंड से मदन मोहन मिश्रा, पटना से मनोज मिश्रा सहित अन्य क्षेत्रों से भी प्रतिभागी उपस्थित रहे।

# ज्ञान विज्ञान मेला का नियमावली संशोधन हेतु कार्यशाला

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा सत्र 2020-21 के लिए अखिल भारतीय ज्ञान विज्ञान मेले के परिपेक्ष्य में नियमावली एवं पाठ्यक्रम संशोधन हेतु द्वि-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 04 से 05 फरवरी 2020 को ललित महाजन सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, वसंत विहार, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गाँधी राट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रवीन्द्र कनेरिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मा. शिवकुमार जी (राष्ट्रीय मंत्री, विद्या भारती) ने समर्थ शिक्षा समिति के पदाधिकारियों, प्रधानाचार्यगण एवं व्यवस्था में लगे सभी जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यशाला को सार्थक बनाने के लिए गणित एवं विज्ञान के सभी प्रतिभागी विद्वज्जनों के परिश्रम की प्रशंसा की। शांति मंत्र के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई।

# अटल टिंकरिंग लैब की क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, शास्त्री नगर, मेरठ विद्यालय में अटल टिंकरिंग लैब की क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री शिवकुमार जी अटल टिंकरिंग लैब के कार्य को देख रहे हैं। श्री शिवकुमार जी ने प्रथम सत्र में अटल टिंकरिंग लैब की पृष्ठभूमि के सम्बंध में जानकारी दी। नवाच्रित प्रयोग की दृष्टि से 2005 में आई.आई.टी. कानपुर में टूटे फूटे उपकरणों से कुछ नवनिर्माण करने हेतु अन्वेषिका के नाम से कार्य प्रारम्भ हुआ था। सन 2016 में नीति आयोग की बैठक में निर्णय के बाद से अटल टिंकरिंग लैब की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। इसके लिए उपकरनों की सूची, मानक, बजट आदि निश्चित हुई। सन् 2017 से अटल टिंकरिंग लैब का विद्यालयों में प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में पूरे देश के 6000 हजार लैब में से 1253 अटल टिंकरिंग लैब केवल विद्या भारती के विद्यालयों में स्थापित हो चुका है आगे और होने की संभावना है।

# तीन दिवसीय गणित कार्यशाला का आयोजन

राधेश्याम मोरारका सरस्वती विद्या मंदिर, मेरठ में दिनांक 03 जनवरी 2020 से 06 जनवरी 2020 तक वी.बी.आई.ई. आर.टी. द्वारा तीन दिवसीय गणित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 04 क्षेत्रों के 30 प्रतिभागियों ने सहभाग किया।

कार्यशाला के उद्घाटन में डी.एन. कॉलेज मेरठ के पूर्व प्राचार्य डॉ. विनोद अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में पीसा के रिसोर्स पर्सन मास्टर ट्रेनर व केन्द्रीय विद्यालय संगठन से ट्रेनर के रूप में श्री एस.एन. त्रिपाठी व श्री दीपेन्द्र प्रताप सिंह पूरे समय उपस्थित रहे। इन्होंने इस कार्यशाला का कुशल संचालन करते हुए कई सारी नई चीजें सीखाया। इनके अतिरिक्त समाजसेवी व गणित विषय के जानकार डॉ. मधुसूदन जी, पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलपति डॉ. सुन्दर लाल जी तथा चौधरीचरण सिंह विश्वविद्यालय के डीन डॉ. मृदुल कुमार गुप्ता ने भी अपना बहुमूल्य समय दिया। कार्यशाला का संचालन कुल 14 सत्रों में किया गया। कार्यशाला में गणित के अनेक भागों जैसे- प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग, जियोजेब्रा, मैथमेटाइजेशन इन मैथेमैटिक्स लिटरेसी आदि अनेक विषयों पर प्रशिक्षण एवं कार्य हुआ।

कार्यशाला में वी.बी.आई.ई.आर.टी. के राष्ट्रीय संयोजक श्री विपिन राठी व इस कार्यशाला के संयोजक श्री सोमगिरि जी पूरे समय उपस्थित रहे। कार्यशाला के समापन में विद्यालय के प्राचार्य श्री जे.के. त्यागी तथा मुख्य वक्ता के रूप में विद्या भारती मेरठ प्रांत के संगठन मंत्री श्री तपन कुमार जी का मार्गदर्शन मिला। श्री तपन कुमार जी ने विद्या भारती के लक्ष्य को ध्यान में रखकर अध्यापन कार्य करते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए सभी आचार्यों से आह्वान किया।

# असम की विभागीय संस्कृत कार्यशाला सम्पन्न

शिशु शिक्षा समिति, असम के अंतर्गत गुवाहाटी विभाग की शिशु मंदिरों की संस्कृत विषय की कार्यशाला दिनांक 08 से 09 फरवरी 2020 को आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारम्भ डॉ. नृपेननाथ शर्मा (सेवानिवृत प्राचार्य शासकीय संस्कृत महाविद्यालय) ने किया। इस अवसर पर शिशु निकेतन के प्राचार्य व विशिष्ट वैज्ञानिक डॉ. जगदीश बरुवा ने आचार्यों को संस्कृत भाषा ज्ञान विषयों पर विशेष मार्गदर्शन किया।

गुवाहाटी विभाग के 06 संकुलों की टोली बनाकर इस वर्ष के शिक्षण की योजना बनाई गई। कार्यशाला के दूसरे दिन गुवाहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सुदेज्ञ भट्टाचार्य ने संस्कृत विषय की विस्तृत जानकारी आचार्यों के समक्ष रखी। विद्या भारती की पंचपदी शिक्षण पद्धति की जानकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक श्री विनय शर्मा ने दी।

कार्यशाला के समापन समारोह में गुवाहाटी विभाग के संस्कृत प्रमुख श्री रमेन गोस्वामी ने संस्कृत विषय की प्रस्तावना रखी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में समिति के मंत्री श्री कुलेन्द्र कुमार भगवती उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में संस्कृत विषय की व्यापकता एवं गूढ़ दर्शन के बारे में बताया। समारोह में गुवाहाटी विभाग के 53 शिशु निकेतनों के संस्कृत आचार्य उपस्थित रहे। शांतिमंत्र के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई।

# देश को सुपर पावर बनाती है दक्ष युवा पीढ़ी - दिलीप बेतकेकर

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में नए सफर की ओर बढ़ रहे बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के सुखद भविष्य की कामना के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारम्भ हवन करके किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री नारायण सिंह ने कहा कि विद्यार्थी समाज के कर्णधार होते हैं जो देश और संस्कृति को नया ओज प्रदान करते हैं।

इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री दिलीप बेतकेकर (उपाध्यक्ष, विद्या भारती) रहे। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि भारत युवाओं का देश है। यह अकेला एक ऐसा देश है जो सभी देशों के युवाओं की कमी को पूरा कर सकता है। यह युवा ही देश की ताकत है और यह शक्ति ही भारत को सुपर पावर बना सकती है।

उन्होंने छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि आप सभी मेकिंग इंडिया के सहभागी बने। हमेशा सीखते रहने की आदत डाले। उन्होंने आगे कहा कि छात्र डायरी लेखन का अभ्यास करें। सभी से प्रेम भाव से रहे। इसी के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# श्रीमद्‌भगवद् गीता भाष्य यथार्थ गीता प्रतियोगिता

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित ज्वाला देवी स. वि. म. इण्टर कालेज सिविल लाइन्स में दिनाँक 01 फरवरी 2020 को विद्यालय के सभागार में श्रीमद्‌भगवत गीता भाष्य यथार्थ गीता प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालय जैसे हिन्दू महिला इण्टर कालेज, ज्वाला देवी गंगापुरी, प्रयाग महिला विद्यापीठ इण्टर कॉलेज, के.पी. गर्ल्स इण्टर कॉलेज, महर्षि पतंजलि इण्टर कॉलेज, रामानुजन पब्लिक स्कूल, राजकीय इण्टर कॉलेज, प्रयागराज के भैया-बहिनों ने प्रतिभाग किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में तुलसी जी महाराज उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रघुराज प्रताप सिंह ने की। मुख्य अतिथि ने यथार्थगीता को श्रीमद्‌भगवद् गीता का सर्वश्रेष्ठ भाष्य बताया तथा विशिष्ट अतिथि ने यथार्थ गीता के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को इसके जीवनोपयोगी गुणों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के भैया-बहिनों ने यथार्थ गीता के श्लोकों का वाचन करते हुए उसकी व्याख्या की। इस प्रतियोगिता में विभाग के विभिन्न विद्यालयों से 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को अंगवस्त्र, यथार्थ गीता तथा 1200 रु. की नकद राशि प्रदान की गई। द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को अंगवस्त्र, यथार्थ गीता तथा 1100-1100 रु. की नकद राशि प्रदान की गई। इसके अलावा प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार के रूप में यथार्थ गीता की प्रति तथा 500-500 रु. की नकद राशि प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं समस्त अतिथियों को यथार्थ गीता भेंट की गई।

# प्रांतीय कला संगम झारखंड

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का एक मंच पर एकत्रीकरण झारखंड के मधुपुर की धरती पर 09 से 11 फरवरी 2020 को हुआ। विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा आयोजित प्रांतीय कला संगम महेंद्र मुनि सरस्वती विद्या मंदिर मधुपुर, देवघर में 25 विद्यालयों से 600 की संख्या में भैया-बहनों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कला संगम प्रतियोगिता शिशु, किशोर व तरूण तीन वर्गों में आयोजित हुई जिनमें 162 भैया व 409 बहनें थी। तीन दिवसीय आयोजन में नृत्य, गायन, वाद-वादन, नृत्य, चित्रकला, रंगोली आदि कई तरह की प्रतियोगिताएं हुई। इसके अलावे समूह में भी नृत्य, गायन, एकांकी प्रतियोगिताएं भी हुई। विशेषज्ञ निर्णायकों की उपस्थिति में प्रतिभागियों ने प्रदर्शन किया। भाव-भंगिमा, वादन, गायन, स्वर, वेश-भूषा आदि बारीकियों के आधार पर उन्हें अंक दिये गए।

प्रतियोगिताओं में महेंद्र मुनि सरस्वती विद्या मंदिर मधुपुर ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय को कुल 11 पुरस्कार प्राप्त हुए। वहीं द्वितीय स्थान पर सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह, धनबाद तथा तृतीय स्थान पर सरस्वती विद्या मंदिर सिन्दरी धनबाद रहा। विजेता प्रतिभागी व्यक्तिगत तथा विद्यालय को विद्या विकास समिति झारखंड की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शेष प्रतिभागियों को भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाओं के साथ सांत्वना स्वरूप प्रशस्ति पत्र दिये गए।

कला संगम में सरस्वती विद्या मंदिर, भूली धनबाद की कक्षा सप्तम की बहन रेशमी खातून की शिव स्तोत्र पर प्रस्तुति चर्चा में रही। नृत्य के दौरान डमरू, ढ़ोल और शंखनाद के साथ नृत्य की मुद्राओं ने खुब तालियाँ बटोरी।

11 फरवरी को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच पुरस्कार वितरण हुआ। समरोह के मुख्य अतिथि सह विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव मुकेश नंदन ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कला एवं संस्कृति देश व समाज की सभ्यता की परिचायक है। इस मौके पर डॉ. एन.डी. तिवारी, विद्यालय समिति के अध्यक्ष सुबोध कुमार राय आदि उपस्थित रहे।

# The activities of Srimati Brahmadevi Saraswati Girls Senior Secondary School, Haapur, (U.P.)

As a part of extracurricular activities Srimati Brahmadevi Saraswati Girls Senior Secondary School, Haapur, (U.P.) have conducted a number of programmes. The activities included:

Students of the school participated in the All India Mathematics Science Fair 2019-2020 organized by Vidya Bharati at Shiksha Niketan School, Benajhabar, Kanpur from 30.11.2019 to 04.12.2019. In the mathematics experiment of the competition, Arpita Garg secured first position in three levels and participated in the fourth level at the National level.

In the National Shooting Competition held in Bhopal (M.P.) from 07 December 2019 to 04 January 2020, 9 girls qualified for the National and 7 girls qualified for the Trial Indian team and made the school proud.

On 25.12.2019, 'Alumni Meet' programme was organized in the school. The programme was chaired by Mr. Avnish Bhatnagar (Rashtriya Mantri, Vidya Bharati), Mr. Domeshwar Sahu, Dr. Asha Mishra (Professor-Mulayam Singh Medical College), Mr. Prafull Saraswat (Chairman-Nagar Palika Parishad, Hapur), Mrs. Pushpa Sachdeva (Mahanagar Sanchitika Meerut Rashtra Sevika Samiti), former student Jyoti Verma (IncomeTax Officer). Shri Avnish Bhatnagar addressed the gathering. He said that today is the day for all former students to meet and discuss the moral education, besides the regular curriculum, they received in the school and how they are putting this in practice. The alumni should discuss as to what they can do for our school in the future? How should our schools appear in our personality and what should we do for progress of the school, society and country?

The chairperson of the school, Mrs. Swati Garg, apprised all the alumni about social media and women's safety. She said that a nation will become strong only when the woman of the nation becomes strong. She also explained the importance of Samarth Bharat.

# Bhartiya Vidya Mandir Organized "Matri-Pitri Poojan Sammelan"

To pay tributes to the parents and teachers in a befitting manner, the Bhartiya Vidya Mandir Jammu organised Matri-Pitri Poojan Sammelan dated 9th February 2020 in the school premises here. This programme is organized annually to inculcate the traditional values among the students.

Union Minister of State, Sh. Rattan Lal Kataria was the chief guest on the occasion. Member Parliament (Rajya Savbha) Sh. Shamsher Singh Manhas, former MLA Sh Rajesh Gupta, Sh. Rajinder Kumar Ji (Prachar Purmukh, Vidya Bharti Uttar Kshetra) were the special guests whereas Sh. Pradeep Kumar Ji (Sangthan Mantri, Bhartiya Shiksha Samiti Jammu Kashmir & Ladakh) was the guest of honour. Sh. Ved Bhushan Ji, President, Bhartiya Shiksha Samiti J&K also graced the occasion.

In his address, the Union MoS Sh. Rattan Lal Kataria, hailed the efforts of Vidya Bharti for providing value based education to the budding students of the nation. He also appreciated the performance of the students.

Also speaking on the occasion, Sh Pradeep Kumar Ji expressed his views regarding the role of parents in the lives of their children. He urged the parents to inculcate values among their children and set an example before them to follow.

Thereafter, all the students gathered and worshipped their parents in traditional style and got their blessings. Among others also present on the occasion included Sh. Satish Mittal Ji (President of the School), Sh. Hari Bhusan Ji (Maha Mantri, Bhartiya Shiksha Samiti), Dr. Naresh Sharma (Secretary of the School), Sh. Pradeep Tripathi, Prant Nirikshak and Dr. Vivek Sharma, Prachar Prabhari, Bhartiya Shiksha Samiti J&K and Ladakh.

Sh. Satish MIttal Ji Presented Vote of Thanks. The function concluded with recital of Vande Mataram.

# पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन

मोहन नगर स्थित गीता निकेतन विद्या मंदिर, कुरुक्षेत्र में पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की स्थापना से 15 वर्ष तक के पूर्व छात्रों, प्रबंध समिति के पदाधिकारियों तथा पूर्व प्रधानाचार्यों व आचार्यों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, विद्या भारती हरियाणा के संगठन मंत्री श्री रविकुमार जी ने समारोह का शुभारम्भ किया। विद्यालय के छात्रों ने माँ सरस्वती की आराधना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री यशपाल वधवा ने समारोह में पधारे गणमान्य महानुभावों का अभिनन्दन किया। उनके स्वागत में विद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम कत्थक नृत्य, हरियाणवी नृत्य व देश-भक्ति से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्त श्री रविकुमार जी ने कहा कि पूर्व छात्र किसी संस्थान की अमूल्य धरोहर होते हैं। आज देशभर में विद्या भारती के लाखों पूर्व छात्र विभिन्न स्थानों पर देश और समाज की सेवा में लगे हुए हैं। पूर्व छात्रों के प्रयास से ही समाज जागरण के अनेक प्रकार के कार्यक्रम जैसे सामाजिक समरसता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, उर्जा संरक्षण समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक श्री राजेश गोयल ने पूर्व छात्रों को आशीर्वाद देते हुए आए हुए गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

# अभिभावक सम्मेलन का आयोजन

बिहार के पूर्णियाँ जिला के सरस्वती विद्या मंदिर, बाघमारा में अभिभावक सम्मेलन का आयोजन 02 फरवरी 2020 को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्णिया शहर की नगरपालिका अध्यक्षा श्री सविता देवी, प्रदेश सचिव श्री नकुल कुमार शर्मा, अजय तिवारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्री राकेश जी ने किया।

प्रदेश सचिव श्री नकुल कुमार शर्मा ने कहा कि बच्चे जब सफल होते हैं तो सबसे अधिक खुशी माता-पिता को होती है। बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी मिलते हैं। हमारे संस्कार केन्द्रों का लक्ष्य उपेक्षित क्षेत्र में भी शिक्षा और संस्कार का प्रसार करना है। हमारा कार्य समाज का जागरण करना भी है।

मुख्य अतिथि श्रीमती सविता देवी ने कहा कि इस विद्यालय की वंदना सभा अद्भुत है एवं यहां का परिसर शहर के अन्य विद्यालयों के परिसरों में सबसे अलग है। कार्यक्रम में भैया-बहनों द्वारा मनमोहक कार्यक्रमों की प्रस्तुति को अतिथियों द्वारा सराहा गया। अभिभावकों द्वारा विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था की सराहना की गई। उत्कृष्ट अंक लाने वाले भैया-बहनों को सम्मानित किया गया।

# पुरातन छात्रों द्वारा किया गया समर्पण कार्यक्रम

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) शिक्षा प्रसार समिति के द्वारा संचालित ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स प्रयाग में पुरातन छात्रों द्वारा समर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रयाग के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने बताया कि दिनांक 23 जनवरी 2020 को मा. क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. हेमचन्द्र जी के निर्देशानुसार विद्यालय के पुरातन छात्रों द्वारा समर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य व केन्द्र सरकार के अधीन विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत पुरातन छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वी उ.प्र. क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचन्द्र जी, अध्यक्ष के रूप में बाल कल्याण समिति के प्रमुख मोहन जी टण्डन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में काशी प्रान्त के संगठन मंत्री डॉ. राममनोहर जी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या भारती के पुरातन छात्र इस संगठन का एक मजबूत स्तम्भ है। यहाँ के छात्र आज अच्छे पदों पर कार्यरत हैं। वह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों को विद्यालय के विकास में सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग देना चाहिए। जहां से हमने विद्या ग्रहण की है उस विद्यालय को लेकर हमारा भी कुछ फर्ज बनता है कि हम उसके विकास में सहायक बने। कार्यक्रम में लगभग 500 की संख्या में पुरातन छात्र भैया एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आए हुए पुरातन छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से उन्हें आपस में मिलने का अवसर प्राप्त होता है तथा एक दूसरे के बारे में जानकारी भी प्राप्त होता है।

समारोह में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती भी मनायी गई। इस अवसर पर नेताजी जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के अन्त में समाज के दीन विहीन झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले असहाय लोगों की सहायता के लिए पूर्व छात्रों तथा गणमान्य लोगों ने समर्पण किए।

# दो दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला आयोजित

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान जोधपुर प्रान्त से सम्बद्ध पाली, बाली और सिरोही जिले के प्रधानाचार्यों की दो दिवसीय कार्यशाला 19 जनवरी 2020 सरस्वती शिशु मन्दिर, पाली में सम्पन्न हुई।

इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री अवनीश भटनागर और विद्या भारती जोधपुर प्रान्त के प्रान्त निरीक्षक गंगाविष्णु विश्नोई ने किया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अवनीश भटनागर ने बताया कि प्राचीन ज्ञान को नवीन पीढ़ी को हस्तांतरित कर उनमें नवीन ज्ञान का सृजन करने की आवश्यकता है। हमारे शिक्षाविदों और विद्वानों का आर्कषण यूरोपीय देशों की ओर होने के कारण आज भारत शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ रहा है। जिसके लिए हमें स्वमुल्यांकन की आवश्यकता है।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में क्रिया आधारित शिक्षण, वर्तमान समय में बाल मनोविज्ञान का सन्दर्भ, विद्यालय प्रबन्धन, आचार्य वीक्षण एवं पाठ योजना के सन्दर्भ में भी परिचर्चाएँ और गोष्ठियाँ आयोजित की गई।

समापन सत्र में मंत्री अवनीश भटनागर ने प्रधानाचार्यों की जिज्ञासा का समाधान करते हुए उनका मार्गदर्शन किया और आने वाले समय में भारतीय शिक्षा प्रणाली को और अधिक सर्वश्रेष्ठ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में पाली जिला प्रवासी किशनाराम बिश्नोई, बाली जिला प्रवासी चंदन सिंह राजपुरोहित, जोधपुर प्रान्त के प्रान्त निरीक्षक गंगाविष्णु विश्नाई का भी मार्गदर्शन मिला। इस कार्यशाला में तीनों जिले के 75 प्रधानाचार्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 February, 2020
Total No. of Pages : 8
RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 February, 2020

# धूमधाम से मनाया गया संस्कृति महोत्सव

सरस्वती शिशु मन्दिर, केदारधाम (म०प्र०) में वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के दोनों विद्यालयों सी.बी.एस.ई. एवं एम.पी. बोर्ड के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी रामदास जी महाराज, दंदरौआ सरकार द्वारा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भूपेन्द्र जी जैन (उद्योगपति) एवं मुख्यवक्ता श्री शिरोमणी जी दुबे (अध्यक्ष सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, भोपाल) मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सी.बी.एस.ई. विद्यालय के छात्रों द्वारा दहेजप्रथा पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन एवं एम.पी. बोर्ड के छात्र-छात्राओं द्वारा बेटी-बचाओं, बेटी पढ़ाओ नृत्य आधारित कार्यक्रम द्वारा एक सामाजिक चेतना जागृत करने की कोशिश की गई।

मुख्य अतिथि भूपेन्द्र जैन जी द्वारा नुक्कड़ नाटकों के माधयम से समाज में जनजागरण का कार्य आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया गया। मुख्यवक्ता श्री शिरोमणी जी दुबे ने अभिभावकों का संबोधित कर कहा कि बच्चों की शिक्षा के लिए यह विद्यालय बिल्कुल सहीं स्थान है। यहां के बच्चें देश हित में कार्य करते हैं तथा देश तथा समाज के लिए समर्पित रहते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री दंदरौआ महाराज जी ने कहा कि विद्या तीन तरह से आती है- विद्या से विद्या, पैसे से विद्या एवं सेवा से विद्या। यहाँ सेवा से विद्या मिलती है। सी.बी. एस.ई. विद्यालय के बालकों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान के मॉडल भी पालकों को बहुत पसंद आए। बालकों द्वारा स्वदेशी एवं विदेशी वस्तुओं, फोटोगैलरी एवं आर्ट एवं क्राफ्ट की प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की गई।

# वार्षिकोत्सव 2020 सम्पन्न

कोटा स्थित स्वामी विवेकानन्द विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय महावीर नगर तृतीय (राज.) में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत 'आओजी पधारो म्हारे देस' के नृत्यगान से किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक क्रियाकलाप एवं योगासन की प्रस्तुतियाँ भी दी गयी। विद्यालय के 301 छात्र-छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिन्हें बाद में पुरस्कृत भी किया गया।

मुख्य वक्ता गोविन्द कुमार (प्रांत संगठन मंत्री विद्या भारती), श्री मदन दिलावर (विधायक रामगंजमण्डी), श्री अवध सोनी द्वारा केन्द्र सरकार की योजना से निर्मित 'अटल टिंकरिंग लैब' का लोकापर्ण किया गया। लोकार्पण के पश्चात् विद्यालय के छात्रों द्वारा बनाए गए नवाचारों में ब्लास्ड स्टिक, स्मार्ट डस्टबीन, ऑटो डोर, ऑब्सटेकल अवोईडर कार, ट्रैफिक लाईट सिस्टम, मॉबाईल कन्ट्रोल कार को प्रस्तुत कर सभी को अचंभित कर दिया।

प्राचार्य डॉ. महेश शर्मा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि विद्यालय में अत्याधुनिक कम्प्यूटर, गणित, फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलॉजी, अटल टिंकरिंग लैब स्थापित साइंस फेयर में छात्रों ने क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसी प्रकार खेल विधा में 5 छात्रों में एक स्टेट तथा 3 छात्र SGFI तथा एक छात्र खेलो इंडिया में खेलने 23 मार्च को जालंधर जाएगें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मदन दिलावर ने बच्चों का हृदय से उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यहां छात्रों को संगीत के साथ-साथ खेल व विज्ञान की भी शिक्षा दी जाती है। यही वास्तव में शिक्षा है जो बच्चों का सर्वांगीण विकास करती है।

# संस्कार केन्द्र संचालकों की बैठक सम्पन्न

आदर्श शिक्षण संस्थान जोधपुर द्वारा संचालित जोधपुर जिले के 25 संस्कार केन्द्र संचालकों की मासिक बैठक 'प्रज्ञा भवन' जोधपुर कार्यालय में दिनांक 21 जनवरी 2020 को सम्पन्न हुई। इस बैठक में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली के संस्कार केन्द्र प्रमुख श्री रामस्वरूप जी का मार्गदर्शन मिला। उन्होंने बताया की हमें संस्कार केन्द्र के माध्यम से बस्ती में परिवर्तन लाना है। संस्कार केन्द्र विद्या भारती के छोटे स्तम्भ के रूप में कार्य कर रही है।

बैठक में जिले के संस्कार केन्द्र प्रमुख गत माह की बैठक के बिन्दुओं पर समीक्षा कर संस्कृति प्रवाह परीक्षा (03 फरवरी 2020) के लिए दिशा-निर्देश देते हुए सभी केन्द्र संचालकों को प्रश्न पत्रों का वितरण किया गया। बैठक में जोधपुर प्रान्त के संस्कार केन्द्र प्रमुख श्री रूधनकुमार जी, जिला सचिव सगराम जी काला अजय सिंह (प्रचार प्रमुख) आदि उपस्थित रहे।

सेवा में

**प्रकाशक एवं मुद्रक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013